भारत – अजरबैजान द्विपक्षीय संबंध

भारत और अजरबैजान के बीच संबंध मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं तथा बढ़ता द्विपक्षीय सहयोग पुराने ऐतिहासिक संबंधों एवं साझी परंपराओं पर आधारित है। बाकू के आसपास अतेशगाह अग्नि देव मंदिर इसका एक बढ़िया उदाहरण है। देवनागरी एवं गुरुमुखी में दीवार शिलालेख वाला यह मध्ययुगीन स्मारक दोनों देशों के बीच सदियों पुराने संबंध का प्रतीक है जब महान सिल्क रूट के जरिए यूरोप जाने वाले भारतीय सौदागर अजरबैजान जाया करते थे। हाल के समय में, राष्ट्रपति डा. एस राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू तथा फिल्म स्टार राज कपूर ने बाकू का दौरा किया था। प्रसिद्ध अजेरी कलाकार राशिद बेहबुदोव, जो राज कपूर के घनिष्ठ मित्र थे, ने भारत में अजेरी संगीत तथा अजरबैजान में भारतीय संगीत का प्रचार - प्रसार किया। मशहूर गायक इल्मिरा रहिमोवा ने 1950 के दशक के उत्तरार्ध में भारतीय संगीत / नृत्य का अध्ययन करते हुए भारत में दो साल बिताए थे।

राजनयिक संबंध :

भारत ने दिसंबर 1991 में अजरबैजान को मान्यता दी। अजरबैजान के साथ राजनयिक संबंध 28 फरवरी, 1992 को स्थापित किए गए। मार्च, 1999 में बाकू में एक भारतीय मिशन खोला गया। अजरबैजान ने अक्टूबर, 2004 में नई दिल्ली में अपना पहला रेजीडेंट मिशन खोला। भारत और अजरबैजान के नेतृत्व एक – दूसरे के साथ विश्वसनीय, मजबूत, जीवंत एवं परस्पर लाभप्रद साझेदारी का निर्माण करने के लिए उत्सुक हैं।

द्विपक्षीय करार :

आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग के लिए करार पर हस्ताक्षर जून,1998 में किया गया। व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय सहयोग पर भारत - अजरबैजान अंतर सरकारी संयुक्त आयोग (आई जी सी) स्थापित करने के लिए करार पर हस्ताक्षर अप्रैल 2007 में किए गए। वायु सेवा करार तथा अंतर सरकारी आयोग के प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर अप्रैल, 2012 में किया गया। सिविल एवं वाणिज्यिक मामलों में परस्पर कानूनी सहायता संधि (एम एल ए टी), आपराधिक मामलों में एम एल ए टी तथा प्रत्यर्पण संधि के लिए करार पर हस्ताक्षर अप्रैल, 2013 में किए गए। भारत और अजरबैजान के विदेश मंत्रालयों के बीच सहयोग के लिए प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर मई, 2013 में किया गया। राजनयिक, आधिकारिक एवं सेवा पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा से छूट पर करार, द्विपक्षीय निवेशों के संवर्धन एवं संरक्षण पर करार, दोहरा कराधान परिहार करार तथा परिवहन, स्वास्थ्य, संस्कृति, पर्यटन एवं शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग के लिए करार चर्चा के अधीन हैं। सिविल एवं आपराधिक मामलों पर एम एल ए टी की पुष्टि से संबंधित लिखतों के आदान - प्रदान के लिए प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर 29 फरवरी, 2016 को किए गए।

भारत – अजरबैजान अंतर सरकारी संयुक्त आयोग :

2007 में हस्ताक्षरित करार के अनुसरण में, व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय सहयोग पर भारत - अजरबैजान अंतर सरकारी आयोग (आई जी सी) की 3 बैठकें हो चुकी हैं : नई दिल्ली में 26 नवंबर 2009 को, बाकू में 16 अप्रैल 2012 को और नई दिल्ली में 24 एवं 25 फरवरी 2014 को। अंतर सरकारी आयोग की द्विपक्षीय चर्चा में व्यापार एवं निवेश, परिवहन ऊर्जा, रसायन एवं उर्वरक, कृषि, वित्तीय क्षेत्र, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आई सी टी, स्वास्थ्य देखरेख एवं भेषज पदार्थ, शिक्षा, संस्कृति, युवा एवं खेल, वीजा मुक्त यात्रा, सजायाफ्ता व्यक्तियों का अंतरण एवं पर्यटन सहित व्यापक श्रेणी के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग शामिल होता है। अंतर सरकारी आयोग की तीसरी बैठक की सह अध्यक्षता भारत की ओर से डा. ई एम एस नचियप्पन, एम ओ एस (वाणिज्य एवं उद्योग) और अजरबैजान की ओर से श्री ह्यूसेंगगुलू बघिरोव, पारिस्थितिकी एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री द्वारा की गई। भारत – अजरबैजान अंतर सरकारी आयोग की अगली बैठक 6 और 7 अप्रैल 2016 को बाकू में होनी है तथा द्विपक्षीय सहयोग को और बढ़ाने के उपायों पर चर्चा होगी।

हाल की द्विपक्षीय यात्राएं :

जैसा कि दोनों मैत्रीपूर्ण देशों के बीच मधुर संबंध हैं, भारत और अजरबैजान आधिकारिक एवं कारोबारी शिष्टमंडलों की यात्राओं का नियमित रूप से आदान – प्रदान करते हैं।

भारत की ओर से हाल की अजरबैजान की कुछ यात्राएं इस प्रकार हैं :

24-25 मई, 2013 को विश्व बैंक एवं आई एम एफ पर संसदीय नेटवर्क पर 10वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए एक 9 सदस्यीय संसदीय शिष्टमंडल ने बाकू का दौरा किया जिसमें लोक सभा एवं राज्य सभा के संसद सदस्य शामिल थे; संयुक्त सचिव (एम ओ सी) श्री रवि कपूर के नेतृत्व में एक 6 सदस्यीय भारतीय शिष्टमंडल ने 24-25 जून, 2013 को अंतर्राष्ट्रीय उत्तर - दक्षिण परिवहन कोरिडोर (आई एन एस टी सी) की समन्वय परिषद की पांचवीं बैठक में भाग लेने के लिए बाकू का दौरा किया है। अजरबैजान में सभ्य समाज विकास संघ के निमंत्रण पर अजरबैजान में राष्ट्रपति के चुनाव के दौरान प्रेक्षक के रूप में भारत के एक 20 सदस्यीय संसदीय शिष्टमंडल ने 6 से 10 अक्टूबर 2013 के दौरान बाकू का दौरा किया। डा. जी श्रीकुमार मेनन, डी जी, राष्ट्रीय सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं स्वापक अकादमी, वित्त मंत्रालय ने ''बाली पश्चात व्यापार सुगमता : नीति को व्यवहार में लाना'' पर पहले आई एन सी यू वैश्विक सम्मेलन 2014 में भाग लेने के लिए 21 से 25 मई 2014 के दौरान बाकू का दौरा किया। श्री वेद प्रकाश डुडेजा, कार्यपालक निदेशक, रेल मंत्रालय, भारत सरकार के नेतृत्व में 2 सदस्यीय भारतीय शिष्टमंडल ने ''बाकू – तबिलिसी – कार रेल लिंक : ऐतिहासिक सिल्क रूट के विकास में नए अवसर'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए 15 और 16 अक्टूबर 2014 को बाकू का दौरा किया। यांग प्रेसिडेंट्स आर्गनाइजेशन, इंडिया के बाम्बे चैप्टर ने 16 अप्रैल 2014 को बाकू में अपने वार्षिक रिट्रीट का आयोजन किया जिसमें भारत से लगभग 30 कारोबारियों ने भाग लिया। काउंटर नारकोटिक्स कांफिडेंस बिल्डिंग मेजर्स पर क्षेत्रीय तकनीकी समूह की बैठक में भाग लेने के लिए श्री रोहित शर्मा, आंचलिक निदेशक, एन सी बी आंचलिक यूनिट, दिल्ली ने 29 अप्रैल 2015 को बाकू का दौरा किया।

समूह बैठक

एशियाई विकास बैंक के शासी बोर्ड की 48वीं वार्षिक आम बैठक में भाग लेने के लिए एक शिष्टमंडल के साथ वित्त मंत्री श्री अरूण जेतली ने 4 और 5 मई 2015 को बाकू का दौरा किया।

अजरबैजान की ओर से हाल की भारत की उल्लेखनीय यात्राएं इस प्रकार हैं :

ऊर्जा मंत्री श्री नटिग अलियेव ने 9-10 अक्टूबर, 2012 को भारत का दौरा किया; न्याय मंत्री श्री फिकरत मम्मादोव ने 3 से 6 अप्रैल, 2013 के दौरान भारत का दौरा किया; वित्त मंत्री श्री समीर शरिफोव ने 2 मई, 2013 को भारत का दौरा किया;

विदेश मंत्री श्री एल्मर मम्मादयारोव ने 3 मई, 2013 को भारत का दौरा किया तथा पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन मंत्री श्री हुसेयंगुलु बाघिरोव ने 24-25 फरवरी, 2014 को भारत का दौरा किया।

परिवार की समस्याओं, महिलाओं तथा बच्चों के लिए राज्य समिति के अध्यक्ष हेजरन हुसेयनोवा के नेतृत्व में एक 3 सदस्यीय शिष्टमंडल ने बंगलौर में 7 से 9 फरवरी 2014 के दौरान छठवें अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन में भाग लिया। तुर्क की कला, इतिहास एवं लोक साहित्य पर तीसरी अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठी में भाग लेने के लिए भारत - अजरबैजान अंतर संस्दीय मैत्री समूह के सदस्य और संसद सदस्य डा. गेनिरा पासाएवा ने 20 से 26 सितंबर 2014 तक नई दिल्ली का दौरा किया।

द्विपक्षीय व्यापार एवं वाणिज्य :

पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में काफी वृद्धि हुई है तथा यह वर्ष 2005 में लगभग 50 मिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर वर्ष 2015 में 250 मिलियन अमरीकी डालर हो गया। द्विपक्षीय व्यापार में इस उछाल का कारण यह था कि भूमध्यरेखीय बंदरगाह के लिए बाकू - टिबलिस - सेहान (बीटीसी) तेल पाइप लाइन को खोल दिया गया जहां से भारतीय तेल कंपनियां भारी मात्रा में कच्चा तेल खरीद रही हैं। अजरबैजान से भारत मुख्य रूप से कच्चे तेल का आयात करता है। भारत से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष आयात की अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं में कपड़ा एवं वस्त्र, चाय, मांस, खाद्य प्रसंस्करण उपकरण, इलेक्ट्रानिक कार्ड, बायलर एवं अन्य प्लांट उपकरण शामिल हैं।

भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार (जनवरी - दिसंबर 2015) :	
अजरबैजान द्वारा भारत से आयात	**35 मिलियन अमरीकी डालर**
अजरबैजान द्वारा भारत को निर्यात	**270 मिलियन अमरीकी डालर**
कुल द्विपक्षीय व्यापार	**305 मिलियन अमरीकी डालर**

अजरबैजान के तेल एवं गैस क्षेत्र में भारतीय निवेश :

मार्च 2013 में भारत के ओ एन जी सी विदेश लिमिटेड (ओ वी एल) ने यू एस कंपनी हेस्स से अजेरी - चिराग - गुनाशली (2.72 प्रतिशत) ऑयल फील्ड तथा बाकू - टिबलिस - सेहान पाइप लाइन (2.36 प्रतिशत) की विकास परियोजना में 1 बिलियन अमरीकी डालर मूल्य के शेयर का अधिग्रहण किया है।

वैश्विक स्तर पर क्षमता बुर्किंग, एल एन जी प्रापण तथा एल एन जी परियोजनाओं के संवर्धन के माध्यम से संयुक्त रूप से एल एन जी के अवसरों को आगे बढ़ाने के लिए गैस एथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने अजरबैजान राज्य तेल कंपनी (एस ओ सी ए आर) के साथ एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया है।

कारोबारी शिष्टमंडलों का आदान – प्रदान :

भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) के एक कारोबारी शिष्टमंडल ने 19 से 22 फरवरी 2012 के दौरान बाकू का दौरा किया तथा ए जेड पी आर ओ एम ओ के सहयोग से 20 फरवरी 2012 को भारत – अजरबैजान व्यवसाय मंच का आयोजन किया। राष्ट्रीय उद्यमी (कर्मचारी) संगठन परिसंघ, बाकू के साथ मिलकर 14 मार्च, 2013 को एक और व्यवसाय मंच का आयोजन किया गया। भारत सरकार के पर्यटन कार्यालय, फ्रैंकफुर्ट तथा भारत के तीन टूर ऑपरेटरों ने 2 से 4 अप्रैल, 2015 के दौरान बाकू में आयोजित 14वें अजरबैजान अंतर्राष्ट्रीय यात्रा एवं पर्यटन (ए आई एफ टी) में पहली बार भाग लिया।

मैसर्स ए एन एम एग्हिबिशन प्राइवेट लिमि टेड, नई दिल्ली के साथ मिलकर सी आई आई ने 27 से 29 मार्च, 2015 के दौरान बाकू में ''इंटरप्राइज इंडिया शो'' का आयोजन किया। मैसर्स ए एन एम एग्हिबिशन प्राइवेट लिमि टेड, नई दिल्ली बाकू में नियमित रूप से ''भारतीय प्रदर्शनी'' का आयोजन करता है। कई तरह के भारतीय उत्पादों जैसे कि गारमेंट, आभूषण, फर्नीचर, दस्तकारी, खाद्य वस्तुओं, सोवनियर्स आदि को प्रदर्शित करने वाली ऐसी 3 प्रदर्शनियां 27 मार्च से 12 अप्रैल, 2015; 1 से 18 अक्टूबर, 2015 और 8 मार्च से 27 मार्च 2016 के दौरान आयोजित की गईं।

भारतीय कंपनियां अजरबैजान में व्यवसाय प्रदर्शनियों में नियमित रूप से भाग लेती हैं। हाल ही में भारतीय उद्यमियों ने 21 से 23 मई, 2015 के दौरान बाकू एक्सपो सेंटर में आयोजित 21वीं अजरबैजान अंतर्राष्ट्रीय खाद्य उद्योग प्रदर्शनी / विश्व खाद्य अजरबैजान 2015; और 18 से 20 सितंबर, 2015 के दौरान आयोजित 9वीं अजरबैजान अंतर्राष्ट्रीय ब्यूटी एवं एस्थेटिक दवा प्रदर्शनी में भाग लिया। 2015 में, फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्टर्स आर्गनाइजेशन (एफ आई ई ओ) के एक शिष्टमंडल ने भवन एवं निर्माण के विविध श्रेणी के उत्पादों को प्रदर्शित करते हुए 28 कंपनियों की एक टीम के साथ 21 से 24 अक्टूबर 2015 के दौरान बाकू भवन प्रदर्शनी में भाग लिया।

सांस्कृतिक आदान – प्रदान :

भारत और अजरबैजान के बीच सदियों से चल आ रहे सांस्कृतिक आदान – प्रदान ने घनिष्ठ सांस्कृतिक बंधुत्व एवं साझी परंपराओं का मार्ग प्रशस्त किया है। अजरबैजान के विश्व विख्यात कवि निजामी गंजावी पर भारत कवियों जैसे कि अमीर खुसरो का काफी प्रभाव है। मशहूर गायक स्वर्गीय राशिद बेहबुदोव, जिन्होंने यूरोपीय शास्त्रीय परंपरा में अजरबैजान के लोकप्रिय गीतों को गाना शुरू किया, स्वर्गीय राज कपूर के करीबी मित्र थे। बेहबुदोव, एल्मिरा रहिमोवा तथा अन्य कलाकार अजरबैजान में भारतीय संगीत एवं गीत को लोकप्रिय बनाने में सहायक रहे हैं।

भारतीय सिनेमा के आज भी काफी संख्या में अनुयायी हैं तथा अजेरी भाषा के टीवी चैनल समय - समय पर हिंदी फिल्मों को दिखाते हैं, जिसमें बॉलीवुड की नई फिल्में तथा राज कपूर, अमिताभ बच्चन, मिथुन चक्रवर्ती, हेमा मालिनी की पुरानी फिल्में शामिल हैं। इस समय बी ए पाठ्यक्रम के लिए एफ टी टी आई, पुणे में अजरबैजान के एक छात्र को नामांकित किया गया है।

हिंदुस्तानी राग प्रतिपादक कोलकाता की इंद्राणी मुखर्जी को मार्च, 2011 में बाकू में दूसरे अंतर्राष्ट्रीय मुघम महोत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। 6 मई, 2013 को बाकू में निजामी के नाम पर निर्मित साहित्य संस्थान द्वारा आयोजित एक वैज्ञानिक सेमिनार में गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं वर्षगांठ मनाई गई। विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांति निकेतन से एक टैगोर विद्वान प्रोफेसर अभिजीत सेन ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। भारतीय

विद्वान ने अजरबैजान भाषा विश्वविद्यालय के छात्रों एवं संकाय सदस्यों के साथ भी बातचीत की। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने जून, 2011 के उत्तरार्ध में बाकू में आयोजित सिल्क वे संगीत महोत्सव के लिए सरोद वादक अमन एवं आयन अली खान की यात्रा को प्रायोजित किया।

वर्ष 2012 के दौरान अजरबैजान एवं भारत में निजामी गंजावी की 870वीं जयंती समारोह का आयोजन किया गया। भारत, ईरान, अफगानिस्तान, तुर्की और मध्य एशिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों के एक मजबूत बंधन के रूप में सूफीवाद के संदर्भ में, पुरातत्व एवं नृविज्ञान संस्थान, बाकू से डा. करीमोव और डा. परवीन ने 2 से 4 फरवरी, 2012 के दौरान गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा "भारत – ईरान सांस्कृतिक विरासत" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।

शिक्षा में सहयोग :

तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत, भारत सरकार अजरबैजान के पेशेवरों को हर साल पूर्णत: संदत्त प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की पेशकश करती है तथा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) की सामान्य छात्रवृत्ति के तहत अजरबैजान के छात्रों को हर साल दो स्लॉट भी प्रदान करती है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की सहायता से अक्टूबर 2010 से जरबैजानी भाषा विश्वविद्यालय (ए यू एल) में एक हिंदी शिक्षण केंद्र काम कर रहा है। इस समय अजरबैजान के 30 छात्र वरणात्मक विषय के रूप में हिंदी सीख रहे हैं। अजरबैजान के दो छात्रों ने केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा में विदेशियों के लिए एक विशेष पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है। बदले में, एक छात्र को हिंदी भाषा शिक्षक के रूप में ए यू एल द्वारा एब्जार्ब कर लिया गया है।

हाल के कार्यक्रम :

भारतीय दूतावास ने अंबेस्डर होटल, बाकू में 21 जून 2015 को पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। जरबैजानी भाषा विश्वविद्यालय (ए यू एल) के साथ मिलकर दूतावास ने भारत के संविधान दिवस (26 नवंबर) के अवसर पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

दूतावास ने होटल हयात रिजेंसी में बाकू में 18 दिसंबर को भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) दिवस मनाया जिसमें आई टी ई सी के लगभग 40 पुराने छात्रों के अलावा भारतीय कारोबारी समुदाय के 40 सदस्यों ने भाग लिया। इंडिया एसोसिएशन अजरबैजान के साथ मिलकर भारतीय दूतावास, बाकू ने 9 जनवरी 2016 को पहला प्रवासी भारतीय दिवस 2016 तथा विश्व हिंदी दिवस 2016 मनाया।

भारतीय दूतावास ने 20 अक्टूबर 2015 को अजरबैजान अंतर्राष्ट्रीय व्यंजन केंद्र द्वारा आयोजित 'देशों की चाय संस्कृति' प्रदर्शनी, 11 दिसंबर 2015 को द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय चावल महोत्सव, 20 नवंबर 2015 को अजरबैजान राजनयिक अकादमी (ए डी ए) द्वारा आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव और 19 दिसंबर को अजरबैजान तेल एवं उद्योग विश्वविद्यालय में आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय दिवस' में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

भारतीय समुदाय :

अजरबैजान में लगभग 2000 भारतीय रह रहे हैं जिसमें तेल एवं गैस क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के साथ काम करने वाले पेशेवर, वस्तुओं के व्यापार, केटरिंग एवं रेस्त्रां व्यवसाय से जुड़े कारोबारी तथा अल्पावधिक संविदाओं पर काम करने वाले निर्माण मजदूर शामिल हैं। दो भारतीय संघ अर्थात इंडियन एसोसिएशन अजरबैजान (आई ए ए) और बाकू मलयाली एसोसिएशन (बी एम ए) हैं बाकू में भारतीय दूतावास के घनिष्ठ समन्वय में काम करते हैं। प्रमुख भारतीय त्यौहारों एवं समारोहों को मनाने के लिए वे नियमित रूप से सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। भारतीय समुदाय, जो संख्या की दृष्टि से अजरबैजान में चौथे - पांचवें स्थान पर है, पेशेवर एवं सामाजिक दोनों दृष्टि से काफी सक्रिय है तथा यह स्थानीय आबादी के साथ अच्छी तरह घुल-मिल गया है। भारत - अजरबैजान संघ की सदस्य डा. सुचिता सेठ "नमस्ते बाकू" नामक हिंदी पत्रिका का प्रकाशन करती हैं।

उपयोगी संसाधन :
भारतीय दूतावास की वेबसाइट : www.indianembassybaku.in,

भारतीय दूतावास, फेसबुक पेज : www.facebook.com/indianembassy.baku

भारतीय दूतावास का यूट्यूब चेनल :
www.youtube.com/user/indianembassybaku.

*****

मार्च, 2016